दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-७६ वा | शुक्रवार १९ दिसंबर २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

महानगरपालिका चुनाव बाद सना मलिक को मिल सकता है मंत्री पद, प्रचार में निभाएंगी बड़ी भूमिका

मुंबई से विशेष रिपोर्ट

आगामी महानगरपालिका चुनावों के मद्देनजर महाराष्ट्र में कैबिनेट विस्तार की चर्चाएं तेज हो गई हैं। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, उपमुख्यमंत्री अजित पवार युवा विधायक सना मलिक को चुनाव प्रचार की बड़ी जिम्मेदारी सौंपकर उनकी सक्रियता बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। तब तक वे पार्टी के लिए मुस्लिम और शहरी मतदाताओं तक पहुंच बनाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। माना जा रहा है कि महानगरपालिका चुनावों के बाद आचार संहिता खत्म होने पर सना मलिक को मंत्री पद सौंपे जाने की संभावना है। यह कदम राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) की शहरी क्षेत्रों में मजबूती की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

मुंबई, मालेगांव, औरंगाबाद, अकोला जैसे शहरों में मुस्लिम मतदाताओं की अच्छी-खासी संख्या है। हाल के वर्षों में -IMIM² का प्रभाव बढ़ने स० NCP और सहयोगी दलों को चुनौती मिल रही है। ऐसे में सना मलिक को चुनाव प्रचार की कमान देकर और बाद में मंत्री बनाकर मुस्लिम समुदाय में पार्टी का भरोसा मजबूत करने की योजना है।

सना मलिक ने विधायक बनने के बाद से ही जमीनी स्तर पर सक्रियता दिखाई है। उन्होंने महिलाओं, युवाओं और अल्पसंख्यक वर्गों से सीधा संवाद कायम किया है। मराठी, उर्दू और अंग्रेजी पर उनकी अच्छी पकड़ उन्हें युवा और आधुनिक नेतृत्व की छवि देती है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यदि चुनावों के बाद सना मलिक को मंत्रिमंडल में जगह मिलती है, तो यह छउझ की अल्पसंख्यक समुदाय, खासकर मुस्लिम महिलाओं को अवसर देने की प्रतिबद्धता को दर्शाएगा। इससे महानगरपालिका चुनावों में पार्टी को फायदा हो सकता है।

गौरतलब है कि मौजूदा सरकार में छउझ ने अल्पसंख्यकों के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जैसे बजट में बढ़ोतरी, अल्पसंख्यक आयुक्तालय की स्थापना, च-ठढख की शुरुआत और उर्दू भवनों का निर्माण। अब पार्टी नेतृत्व प्रतिनिधित्व को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

कुल मिलाकर, महानगरपालिका चुनावों के बाद सना मलिक को मंत्री बनाना न केवल चुनावी रणनीति का हिस्सा होगा, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति में नए और प्रगतिशील नेतृत्व को बढ़ावा देने वाला कदम साबित हो सकता है। तब तक चुनाव प्रचार में उनकी बड़ी जिम्मेदारी पार्टी की जीत में अहम भूमिका निभा सकती है।

मुंबई समेत राज्य में महायुती के रूप में लड़ने का प्रयास-सुनील तटकरे

अमित साटम नहीं, मेरी अमित शाह से हुई चर्चा

जमीर काझी

मुंबई :

महायुती में सामंजस्य बनाए रखते हुए मुंबई सहित राज्य की महापालिका चुनावों का सामना करने का हमारा प्रयास रहेगा। इसलिए महायुती के रूप में बातचीत और वार्ता संबंधित निर्णय आज या कल हो जाएगा, ऐसी जानकारी राष्ट्रवादी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सांसद सुनील तटकरे ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत में दी।

मेरी चर्चा देश के नेता अमित शाह से हुई है तथा अमित साटम के बयान पर मैं प्रतिक्रिया देना नहीं चाहता, ऐसा तंज भी उन्होंने उन पर कसा।

राष्ट्रवादी कांग्रेस अजित पवार गुट के मुंबई सहित राज्य की विभिन्न महापालिकाओं में पदाधिकारियों की बैठक लेकर पार्टी की स्थिति का जायजा प्रदेश अध्यक्ष सांसद तटकरे ने लिया। वहाँ के पदाधिकारियों का मत जाना। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में वे बोले, मुंबई महानगरपालिका सहित अन्य महानगरपालिकाओं में महायुती होने के संबंध में राष्ट्रीय अध्यक्ष अजित पवार तथा राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल से रात में चर्चा करूंगा और फिर इस विषय पर चर्चा करके आगे के कदम महायुती के दृष्टिकोण से उठाए जा सकते हैं, ऐसा प्रयास रहेगा। नवाब मलिक हमारे पार्टी के आंतरिक चुनाव ▶▶पान ४ पे

तीस साल पुराने विद्यार्थियों की सुगंध की निकटता में चपंवती विद्यालय की दीवारें भी महक उठीं

बीड़ (प्रतिनिधि) : समय की लहरों में बिखरे हुए बचपन के साथी जब तीन दशकों बाद पुनः एक मंच पर एकत्र होते हैं, तो वह केवल मिलन नहीं रह जाता-वह भावनाओं का सागर बन जाता है, स्मृतियों का तूफ़ान उमड़ आता है। बीड़ की ख्यातनामा चम्पावती विद्यालय के भूतपूर्व शिष्यों ने रविवार को ऐसा ही एक अविस्मरणीय स्नेह-बन्धन समारोह अनुभव किया। पूरे तीस वर्ष बाद एकजुट हुए इन मित्रों ने अपने प्रिय गुरुओं की उपस्थिति में स्कूली जीवन की उन स्वर्णिम स्मृतियों को पुनर्जीवित कर दिया।

कार्यक्रम का प्रारम्भ इतना अनुशासित एवं पुरानी स्मृतियों से परिपूर्ण था मानो कालचक्र उलट गया हो। श्री आचार्य सर तथा शिन्दे सर ने ठीक ▶▶पान ४ पे

१२ वर्षीय नाबालिग लड़की पर हैवान ने किया यौन अत्याचार; आरोपी पुलिस हिरासत में

संवाददाता/केज : केज तालुका के यूसुफवडगाव पुलिस थाना क्षेत्र में एक गाँव में अत्यंत क्रोधित करने वाली घटना सामने आई है। गन्ना कटाई के लिए अपनी बड़ी बहन के साथ आई एक १२ वर्षीय बालिका पर एक दरिंदे ने उसके मुँह दबाकर यौन अत्याचार की घिनौनी वारदात को अंजाम दिया।

पीड़िता की माँ भोली स्वभाव की है और उसके पिता कर्नाटक में गन्ना कटाई के लिए गए हैं। लड़की छठी कक्षा में पढ़ती है। पिता के परप्रांत में होने के कारण वह अपनी विवाहित बहन के साथ केज तालुका के भालगाव स्थित गन्ना मजदूरों की बस्ती में रह रही थी। उसकी बहन और जीजा ने धारूर तालुका के एक गन्ना ठेकेदार से अग्रिम राशि ली थी, इसलिए वे यूसुफवडगाव पुलिस थाना क्षेत्र के भालगाव में काम कर रहे थे।

१५ दिसंबर सोमवार की रात करीब ८ बजे जब सभी लोग गन्ने के खेत में थे, तब नाबालिग लड़की अकेली बस्ती की झोपड़ी में थी। इसी मौके का फायदा उठाकर आरोपी लक्ष्मण उर्फ सागर निवृत्ती वाघमारे (उम्र ३४ वर्ष, निवासी सोमनाथ बोरगाव, ता. अंबाजोगाई) वहाँ पहुँचा और उसका मुँह दबाकर यौन अत्याचार किया। ▶▶पान ४ पे

अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के अवसर पर मौलाना नदीम सिद्दीकी के नेतृत्व में जमीयत उलेमा जिला बीड़ के प्रतिनिधिमंडल की जिला कलेक्टर से मुलाकात

मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्रियों तथा पालक मंत्री के नाम अल्पसंख्यक मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा

बीड : तामीर संवाददाता

जमीयत उलेमा महाराष्ट्र के अध्यक्ष मौलाना हाफिज नदीम सिद्दीकी के नेतृत्व में जमीयत उलेमा जिला बीड़ के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज जिला कलेक्टर बीड़ श्री विवेक जॉन्सन से उनके कार्यालय में मुलाकात की और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस साहब, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे साहब, उपमुख्यमंत्री तथा जिला बीड़ के पालक मंत्री अजित पवार साहब तथा अल्पसंख्यक मंत्री के नाम अल्पसंख्यक मुद्दों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। स्पष्ट हो कि महाराष्ट्र के मुख्य सचिव तथा अल्पसंख्यक आयोग महाराष्ट्र की ओर से राज्य के सभी जिला कलेक्टरों को औपचारिक आदेश जारी किए गए थे कि १८ दिसंबर को अल्पसंख्यक अधिकार दिवस मनाया जाए। इसी संदर्भ में जमीयत उलेमा जिला बीड़ की ओर से यह ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

इसी क्रम में महाराष्ट्र के सभी जिलों में जमीयत उलेमा के जिला प्रभारियों ने भी अपने-अपने जिला कलेक्टरों को मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्रियों तथा संबंधित जिलों के पालक मंत्री व अल्पसंख्यक मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा और अल्पसंख्यक मुद्दों से प्रशासन को अवगत कराया।

जिला बीड़ में सौंपे गए ज्ञापन में जमीयत उलेमा महाराष्ट्र के अध्यक्ष मौलाना नदीम सिद्दीकी ने अल्पसंख्यक वर्ग के समक्ष मौजूद महत्वपूर्ण मुद्दों की ओर जिला कलेक्टर विवेक जॉन्सन साहब का ध्यान आकर्षित करते हुए उर्दू भाषा एवं संस्कृति के संरक्षण, शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार, महिलाओं की शिक्षा, रोजगार के अवसरों तथा मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की और ज्ञापन सौंपा। इसमें विशेष रूप से उर्दू घर की स्थापना, मौलाना आजाद कार्पोरेशन का फंड तत्काल जारी करने, वंदे मातरम के मामले में अनावश्यक सख्ती न करने तथा इस निर्णय को स्कूल प्रशासन पर छोड़ने, बालवाड़ी

(आंगनवाड़ी) का जाल पूरे क्षेत्र में विस्तृत करने, जन्म पंजीकरण (बर्थ सर्टिफिकेट) तथा पासपोर्ट से संबंधित जनता की समस्याओं का शीघ्र निवारण तथा सरकारी व निजी क्षेत्रों में अल्पसंख्यक युवाओं के लिए अधिकतम रोजगार अवसर उपलब्ध कराने सहित १८ महत्वपूर्ण मांगें शामिल थीं।

जिला कलेक्टर श्री विवेक जॉन्सन ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि शीघ्र ही एक व्यापक बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें सभी संबंधित विभागों तथा उनके जिम्मेदार अधिकारियों को आमंत्रित कर अल्पसंख्यक मामलों से संबंधित प्रस्तुत मांगों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा और उन्हें अमल में लाने की गंभीर कोशिश की जाएगी। बैठक में उपस्थित आरडीसी श्री स्वामी साहब ने इस बात का आश्वासन दिया कि आगामी जनवरी के पहले सप्ताह में सभी संबंधित अधिकारियों के साथ एक विस्तृत बैठक आयोजित कर प्रस्तुत मांगों की समीक्षा की जाएगी तथा उनके समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। इस अवसर पर श्री मुज्तबा अहमद खान उपाध्यक्ष जमीयत उलेमा मराठवाड़ा ने दोनों वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष ज्ञापन में शामिल सभी बिंदुओं को अत्यंत स्पष्टता एवं विस्तार से प्रस्तुत किया तथा जिला प्रशासन के सहयोग एवं सद्भावना के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस प्रतिनिधिमंडल में मुफ्ती अब्दुल्लाह कासमी अध्यक्ष जमीयत उलेमा जिला बीड़, मौलाना साबिर महासचिव जमीयत उलेमा जिला बीड़, काजी मुजीबुर्रहमान संयोजक सद्भावना मंच, मौलाना अफसर साहब सचिव जमीयत उलेमा जिला बीड़, काजी जफर साहब, हाफिज मंसूर साहब, हाफिज सरताज साहब, सैयद आसिम, मुदस्सर सिद्दीकी, सैयद नाजिम, इकबाल भाई, इलियास सर अनामदार, साजिद भाई, डॉक्टर इमरान खान, जहीर खतिब सर आदि उपस्थित थे।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

गुजरात में महिलाओं पर रोजाना २२ से ज्यादा अत्याचार; कई छेड़छाड़, हर महीने ६७० महिलाएं शिकार

बीजेपी के पिछले ९ सालों में महिलाओं के खिलाफ ७२ हजार से ज्यादा अपराध: मनीष दोशी

हबीब शेख
अहमदाबाद

राज्य में पिछले कुछ दिनों में एक के बाद एक तीन मासूम बच्चियों की दुष्कर्म की चौंकाने वाली घटनाओं के मद्देनजर विपक्षी कांग्रेस ने सरकार पर हमला बोलते हुए चिंता जताई है कि बीजेपी सरकार के कार्यकाल में पिछले ९ सालों में महिलाओं के खिलाफ ७२ हजार से ज्यादा अपराध दर्ज किए गए हैं। कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डॉ. मनीष दोशी ने पिछले पांच दिनों में जसदान, गांधीनगर और भावनगर में तीन मासूम बच्चियों की दुष्कर्म की भयावह घटनाओं पर गहरा दुख और गुस्सा जताया और कहा कि यह जुल्म है।

ये अपराध बीजेपी के शासनकाल में गुजरात में कानून-व्यवस्था की पूरी तरह खराबी को उजागर करते हैं, जिससे महिलाओं और खासकर युवा लड़कियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। जसदान के अटकोट में ६-७ साल की बच्ची का बर्बर दुष्कर्म, जो अभी सरकारी अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रही है, पूरे राज्य में फैले आतंक का प्रतीक है। इस हफ्ते गांधीनगर में ५-६ साल की बच्ची का दुष्कर्म और भावनगर में इसी तरह के दिल दहला देने वाले अपराध समाज विरोधी तत्वों के एक परेशान करने वाले पैटर्न को बेनकाब करते हैं। ये अलग-थलग घटनाएं नहीं हैं, ये बीजेपी सरकार की आपराधिक लापरवाही और गृह विभाग की पूरी नाकामी का सीधा नतीजा हैं।

नतीजा यह है कि 'जीरो' की बात कहां है? महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर सिर्फ सहनशीलता की बात की जाती है। कानून-व्यवस्था तबाह हो चुकी है, जिसकी वजह से हमारी बेटियां कल्पना से परे बीमारियों में ग्रस्त हो रही हैं। राज्य सरकार के महिलाओं से जुड़े खोखले दावे कुछ नहीं हैं। सरकार सुरक्षा के मामले में पूरी तरह नाकाम हो चुकी है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी योजनाएं खोखले शब्द हैं। जब मासूम बच्चियां शिकार बन रही हैं तो यह बीजेपी की निष्क्रियता और अक्षमता है, यह हर गुजराती परिवार के साथ विश्वासघात है। जब कांग्रेस पार्टी के नेता महिलाओं और लड़कियों की पीड़ाओं से वाकिफ हैं तो सिस्टम को जगाने की बजाय एक कांग्रेस महिला नेता के खिलाफ पुलिस केस दर्ज करना कितना सही है? उन्होंने और भी कड़ा हमला किया।

बीजेपी सरकार के पास चुनावी विज्ञापन हैं, जो सिर्फ सुरक्षित गुजरात की प्रचार करते हैं। महिलाओं की सुरक्षा की बात करें तो बीजेपी सरकार में पिछले नौ सालों में महिलाओं से जुड़े ७२,४६७ से ज्यादा अपराध दर्ज हुए हैं। राज्य में अपहरण, दुष्कर्म, तेजाब हमले, घरेलू हिंसा, दहेज मौत और शोषण, महिलाओं की तस्करी सहित अपराध हो रहे हैं। गुजरात में हर साल औसतन ८,००० से ज्यादा अपराध दर्ज होते हैं, यानी हर महीने ६७० से ज्यादा महिलाएं और हर रोज २० से ज्यादा महिलाएं शिकार बन रही हैं। यह संकट शराब और नशीले पदार्थों की बेरोकटोक व्यापार से बढ़ता है, जिससे समाज विरोधी तत्वों और अपराधियों को ताकत और हौसला मिलता है।

गुजरात में नशाबंदी का कानून सिर्फ कागजों पर है, जिसमें बड़े पैमाने पर लूट और भ्रष्टाचार छिपाया गया है। बूटलेगर सिंडिकेट बिना किसी रुकावट के काम करता है, अक्सर बीजेपी के प्रभावशाली राजनीतिक नेताओं की आशीर्वाद या संरक्षण से। यह शासन नहीं है, यह गुजरात के लोगों पर बड़ा डाका है। गृह मंत्री के नेतृत्व में गृह विभाग ऐसे खतरनाक घटनाओं को रोकने में बुरी तरह नाकाम है। कांग्रेस पार्टी ने कानून-व्यवस्था की खराबी की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच की मांग की है, जिसमें शराब और नशीले पदार्थों के रैकेट में राजनीतिक संरक्षण की भूमिका भी शामिल हो, और गृह मंत्री का इस्तीफा तथा राज्य के पुलिस सिस्टम की समीक्षा की मांग की है। गंभीर अपराधों की रोकथाम तभी हो सकेगी जब लगातार गश्त होगी।

बाळराजे से मिलने के लिए बंगले पर कार्यकर्ताओं की भारी भीड़

गेवराई के पाटील का नेतृत्व और मजबूत व लोकप्रिय हो रहा

काजी अमान/गेवराई

गेवराई नगरपरिषद चुनाव के मतदान दिवस पर हुई झड़प के बाद भाजप नेता बाळराजे पवार के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ था। हालांकि, कोई पलायन की राह अपनाए बिना, कानून पर पूरा विश्वास रखते हुए बाळराजे पवार ने स्वयं गेवराई पुलिस थाने में हाजिरी दी। इसके बाद पुलिस ने उन पर गिरफ्तारी की कार्रवाई की। गिरफ्तारी के बाद उन्हें एक दिन की पुलिस कस्टडी सुनाई गई थी। दूसरे दिन अदालत में सुनवाई के बाद अदालत ने बाळराजे पवार को जमानत दे दी। इस फैसले के बाद गेवराई के कार्यकर्ताओं, समर्थकों और नागरिकों में संतोष और राहत की भावना दिखाई दी।

दि. १६ दिसंबर को गेवराई के पाटील कहे जाने वाले भाजप के युवा नेता बाळराजे पवार की गिरफ्तारी की खबर मिलते ही शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने पुलिस थाने और अदालत परिसर में बड़ी संख्या में भीड़ जुटाई थी। अपने प्रिय नेता के पीछे मजबूती से खड़े रहने का संकल्प कार्यकर्ताओं ने दिखाया। अदालत द्वारा जमानत मंजूर होने के बाद कार्यकर्ताओं ने हर्षोल्लास के साथ अदालत का आभार माना और न्याय व्यवस्था पर विश्वास जताया।

कल जमानत मिलने के बाद बाळराजे पवार के निवास पर गुरुवार सुबह से ही कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ देखने को मिली। शहर के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ तालुका और ग्रामीण क्षेत्रों के कई कार्यकर्ता, पदाधिकारी तथा नागरिक बाळराजे पवार से मिलने के लिए बंगले पर पहुंचे। दादा, हमें आप पर पूरा विश्वास है। इस संकट के समय में हम आपके साथ मजबूती से खड़े हैं - ऐसी भावनाएं व्यक्त करते हुए कार्यकर्ताओं ने अपने प्रिय नेता बाळराजे पवार को हौसला दिया।

पूरे घटनाक्रम में बाळराजे ने संयम, धैर्य और कानून पर विश्वास दिखाया। उनकी इस भूमिका से कार्यकर्ताओं में और अधिक आत्मविश्वास पैदा हुआ है तथा बाळराजे पवार पर जनसमर्थन और कार्यकर्ताओं की निष्ठा एक बार फिर स्पष्ट रूप से सामने आई है। संकट के समय में भी कार्यकर्ताओं का मिला समर्थन और जनता का विश्वास ही अपना असली बल है - ऐसी भावना बाळराजे ने इस अवसर पर व्यक्त की। साथ ही, कल होने वाली जिला परिषद एवं पंचायत समिति चुनाव में हर साधारण कार्यकर्ता को न्याय देने के लिए काम करने का संकल्प भी उन्होंने दोहराया। गेवराई की राजनीति में बाळराजे पवार का नेतृत्व इससे और अधिक मजबूत तथा लोकप्रिय होता दिख रहा है।

अल्पसंख्यकों की मांग को मिली सफलता, खुर्शीद आलमने जताया आभार

जिल्हाधिकारी साहब हर तीन महीने में अल्पसंख्यकों की बैठक लेंगे

बीड (प्रतिनिधि) : १८ दिसंबर को अल्पसंख्यकों के अधिकार दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी अवसर पर आज १८ दिसंबर २०२५ को अल्पसंख्यक दिवस के निमित्त बीड के माननीय जिल्हाधिकारी कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया था। इस दौरान खुर्शीद आलम ने माननीय जिल्हाधिकारी साहब के समक्ष अल्पसंख्यक समाज की सामाजिक, शैक्षणिक तथा अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों की विभिन्न समस्याओं और विकास कार्यों से संबंधित मांगें रखीं। साथ ही हर तीन महीने में अल्पसंख्यकों की बैठक आयोजित करने की मांग भी की।

इस बैठक में अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधि के रूप में शेख इरशाद भाई, काजी मुजिबुर्रहमान, गोपाल धरे, डॉ. इमरान सर, जे.टी. साल्वे, शेख वजीर, फिरदोस सर, रियाज सिद्दीकी, हनीफ खान, खतिब सर सहित अन्य मान्यवरों ने अल्पसंख्यक समाज की समस्याओं को रखा। विशेष बात यह है कि पहले हर १८ दिसंबर को अल्पसंख्यकों की बैठकें केवल औपचारिकता पूरी करने के लिए आयोजित की जाती थीं, लेकिन इस बार बीड के कर्तव्यनिष्ठ जिल्हाधिकारी माननीय विवेक जॉन्सन साहब ने नियोजित तरीके से बैठक आयोजित की, सभी मान्यवरों की मांगों को ध्यानपूर्वक सुना और हर तीन महीने में अल्पसंख्यकों की बैठक आयोजित करने का आश्वासन दिया।इसके लिए पूरे अल्पसंख्यक समाज की ओर से खुर्शीद आलम ने कर्तव्यनिष्ठ जिल्हाधिकारी विवेक जॉन्सन साहब सहित अपर जिल्हाधिकारी, निवासी उपजिल्हाधिकारी, जिल्हा नियोजन अधिकारी, जिल्हा आरोग्य अधिकारी, पुलिस अधिकारी तथा सभी कार्यालयों के वरिष्ठ व कनिष्ठ अधिकारियों के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया है।

दलित बस्ती के १३ करोड़ के १७८ कार्यों को मंजूरी

बीड (रिपोर्टर): जिला परिषद चुनाव की आचारसंहिता की पृष्ठभूमि में कल बीड़ जिला परिषद ने दलित बस्ती सुधार योजना के अंतर्गत कुल १७८ कार्यों को मंजूरी दी है तथा इन कार्यों पर लगभग १३ करोड़ रुपये की राशि खर्च होने वाली है।

इस दलित बस्ती सुधार योजना के तहत सीमेंट सड़कें, वाचनालय, पेवर ब्लॉक आदि कार्य किए जाने हैं। पिछले दो महीनों से गांव स्तर पर पंचायत समिति के माध्यम से इन कार्यों के प्रस्ताव बीड़ जिला परिषद को भेजे गए थे। जिला परिषद के समाज कल्याण विभाग ने इन प्रस्तावों की छानबीन की तथा अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा पुनः परीक्षण के बाद कल मुख्य कार्यकारी अधिकारी जीतिन रहमान ने इन कार्यों को मंजूरी प्रदान की।

जिला परिषद चुनाव आचारसंहिता लागू होने से पूर्व संबंधित गांवों की ग्राम पंचायतों को शाखा अभियंता से अनुमान पत्र तैयार कराकर कार्यारंभ आदेश प्राप्त कर लेना चाहिए। आचारसंहिता के बाद कार्यारंभ आदेश तैयार करके फिर काम करना संभव नहीं होगा। इसलिए आचारसंहिता से पूर्व ही ये कार्यारंभ आदेश पंचायत समिति द्वारा वितरित किए जाएं, ऐसा भी अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी विलास जाधव ने कहा।

अरशद शेख को पीएच.डी. की उपाधि

अहमदनगर : यहां के आर्किटेक्ट अरशद शेख को राजस्थान स्थित सनराइज विश्वविद्यालय ने हाल ही में पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की है। उन्होंने सनराइज विश्वविद्यालय में स्मार्ट सिटी की बजाय भारत के सतत विकास के लिए स्मार्ट गांवों की आवश्यकता का मूल्यांकन विषय पर शोध प्रबंध प्रस्तुत किया था। इससे पूर्व उन्होंने मैनेजमेंट विषय में भी पीएच.डी. प्राप्त की है।

अरशद शेख ने आर्किटेक्चर के अलावा मैनेजमेंट, एडमिनिस्ट्रेशन, पत्रकारिता, सोशल वर्क, ह्यूमन राइट्स, जनसंचार, लॉ तथा पब्लिक पॉलिसी जैसे कुल नौ विषयों में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त की है।

पान १ वरून

मुंबई समेत राज्य में महायुती...

प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हैं। उनके बारे में मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम ने जो कहा, उस पर मैं प्रतिक्रिया देना नहीं चाहता। देश के नेता अमित शाह के पास प्रफुल्ल पटेल व मैंने चर्चा की है। इसके अलावा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा उपमुख्यमंत्री अजित पवार और मेरी चर्चा हुई है। उसके बाद दादा, मैं व प्रफुल्ल पटेल हमने गहन चर्चा की, फिर भी एक बार फिर दादा से चर्चा करेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष के नाते मुंबई सहित पूरा विभाग मेरी अधिकार क्षेत्र में आता है, यह भी सुनील तटकरे ने स्पष्ट किया। ऐसा कहते हुए तटकरे बोले, महायुती के रूप में लड़ना चाहिए, यह हमारा प्रयास रहेगा। उसी प्रयास का हिस्सा होने के कारण मैं कल से मुंबई में हूँ। शनिवार को इस पर सकारात्मक चर्चा करेंगे और जो अंतिम निर्णय होगा, वह आपके सामने रखेंगे। ऐसा भी उन्होंने कहा।

तीस साल पुराने विद्यार्थियों की ...

वैसे ही निर्देश दिए जैसे विद्यालय के उन दिनों में होते थे, और उन्हीं के मार्गदर्शन में सामूहिक राष्ट्रगान गाया गया। यह क्षण देखकर सभी शिष्य पुनः अपने बाल्यकाल में खो गए-नेत्र सजल हो उठे, हृदय भाव-विभोर हो गया।

दूसरे चरण में तो सच्चा आनन्द आया-फिर से विद्यालय आरम्भ हो गया! जे. बी. कुलकर्णी सर तथा पिंपळकर सर ने गणित का पाठ पढ़ाया और शिष्यों की बुद्धि को चुनौती दी, जबकि चौसाळकर सर ने अंग्रेजी के प्रश्न पूछकर अनेक को उनकी स्कूली शरारतें स्मरण करा दीं। तीस वर्ष व्यतीत हो जाने पर भी गुरुओं का वही प्रभाव, वही स्नेह देखकर सभी शिष्य भावुक हो उठे। मानो विद्यालय की दीवारें भी उन पुराने शिष्यों की सुगंध से महक उठी हों।

इस स्नेह-मिलन के अवसर पर इसी माह सेवानिवृत्त हो रहे पूज्य चौसाळकर सर का विशेष सम्मान किया गया। शिष्यों ने अपने प्रिय गुरुवर का हार्दिक विदाई-समारोह मनाया। शिष्यों की उन्नति ही गुरु की सच्ची गुरुदक्षिणा होती है-इन शब्दों में सर ने अपनी भावनाएँ व्यक्त कीं।

इस आयोजन के लिए केवल स्थानीय ही नहीं, देश के विभिन्न कोनों से तथा विदेशों से भी मित्र-मित्राणियाँ बीड़ पहुँची थीं। आज इस बैच के शिष्य चिकित्सक, अभियन्ता, चार्टर्ड अकाउंटेंट, उद्यमी, शिक्षक तथा वैज्ञानिक जैसे उच्च पदों पर आसीन हैं। यह उत्कृष्ट प्रगति देखकर गुरुओं का हृदय गर्व से परिपूर्ण हो उठा।

इस स्मरणीय आयोजन को सफल बनाने में देवेन्द्र टाक, सीए मनोज दुगड़, डॉ. वैभव शिन्दे, प्रसाद टेकाळे, डॉ. अविनाश गाडेकर, अंजली गर्जे जायभाय तथा डॉ. मनीषा कुलकर्णी (मानसी मानुरकर) ने अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकालकर अहर्निश परिश्रम किया। उनकी उत्कृष्ट योजना के कारण ही तीस वर्ष बाद यह दुर्लभ संयोग संभव हुआ।

इस सम्मेलन ने सभी को जीवन को देखने का एक सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान किया। यह मैत्री और यह स्नेह सदा यूँ ही अटल रहे-ऐसी कामना के साथ इस ऐतिहासिक समारोह का समापन हुआ।

---

१२ वर्षीय नाबालिग लड़की...

घटना के बाद डरी-सहमी लड़की ने जब उसकी बहन बस्ती पर लौटी, तब उसे पूरी बात बताई। इसके बाद बहन उसे लेकर यूसुफवडगाव पुलिस थाने पहुँची।

ड्यूटी पर तैनात पुलिस उपनिरीक्षक भीमराव मांजरे ने इस गंभीर अपराध की जानकारी सहायक पुलिस अधीक्षक व्यंकट राम तथा सहायक पुलिस निरीक्षक मच्छिंद्रनाथ शेंडगे को दी। नाबालिग पीड़िता की शिकायत पर दरिंदे लक्ष्मण उर्फ सागर निवृत्ती वाघमारे के खिलाफ पोक्सो और यौन अत्याचार का अपराध दर्ज किया गया। अपराध दर्ज होने के बाद पुलिस ने पीड़िता की मेडिकल जाँच कराई और आरोपी को पकड़ने के लिए टीम तैनात की।

इस मामले की जाँच पिंक टीम के पुलिस उपनिरीक्षक प्रकाश शेळके कर रहे हैं।

दरिंदे को ऐसे दबोचा गया : अपराध करने के बाद आरोपी को पुलिस थाने में अपराध दर्ज होने की खबर मिलते ही वह फरार होने की तैयारी में था। लेकिन पुलिस उपनिरीक्षक भीमराव मांजरे, पुलिस उपनिरीक्षक भारत बरडे, पिंक टीम के पुलिस उपनिरीक्षक प्रकाश शेळके, पुलिस कांस्टेबल भागवत निरडे तथा यूसुफवडगाव थाने के कर्मचारियों ने उसके मोबाइल लोकेशन को ट्रेस कर साजिश रची। जब लोकेशन धाराशिव जिले के कळंब में मिला, तो पुलिस ने अंदाजा लगाया कि वह एसटी बस से भाग सकता है। बस स्टैंड के आसपास घात लगाकर बैठी पुलिस ने १७ दिसंबर बुधवार दोपहर करीब ४:३० बजे कळंब बस स्टैंड पर पहुँचते ही आरोपी लक्ष्मण उर्फ सागर निवृत्ती वाघमारे को धर दबोचा और हिरासत में ले लिया।

दरिंदे की पत्नी उससे अलग रहती है : इस घिनौनी घटना के आरोपी लक्ष्मण उर्फ सागर निवृत्ती वाघमारे शराब की लत का आदी है, इसलिए उसकी पत्नी उससे अलग रहती है और गन्ना मजदूरी करती है। उसे जानकारी मिली थी कि उसकी पत्नी पीड़िता की बहन के साथ गन्ना कटाई करने आई है। वह उसे ढूँढने और मिलने के इरादे से गया था, लेकिन पत्नी खेत में काम कर रही थी। इसी दौरान बस्ती की झोपड़ी में अकेली नाबालिग लड़की पर उसने यौन अत्याचार किया।

आरोपी को पाँच दिन की पुलिस रिमांड : पुलिस ने आरोपी को केज न्यायालय में पेश किया, जहाँ घटना की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने उसे २२ दिसंबर तक पाँच दिन की पुलिस कस्टडी सुनाई है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com